पेयजल विभाग का वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु Outcome Budget

(धनराशि रु0 लाख में)

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2022 की वास्तवितक स्थिति (भौतिक)	31.03.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूंजीगत					
1	जल जीवन मिशन	ग्रामीण क्षेत्र की जनता को पेयजल उपलब्ध कराना।	1000.01	15320.03	1) भारत सरकार द्वारा संचालित आईएमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध आंकडों के अनुसार राज्यान्तर्गत दि0 01.04.2022 को कुल 14,94,414 ग्रामीण परिवारों में से 924393 परिवारों को एफएचटीसी उपलब्ध है, जो 61.85 प्रतिशत है।	दि0 01.04.2022 को एफ.एच.टी.सी. हेतु अवशेष 570021 परिवारों में से वर्ष 2022–23 में 280632 परिवारों को एफ.एच.टी.सी. उपलब्ध कराया जाना लक्षित है। जिसके सापेक्ष दिं0 31.12.2022 तक 1,25,241 परिवारों को एफ0एच0टी0सी0 उपलब्ध कराये जा चुके है। इस प्रकार दि0 31.12.2022 तक कुल 10,49,634 एफ.एच.टी.सी. प्रदान किये जा चुके है। जोकि 70.24 प्रतिशत है।	1) वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन लागू किये जाने के फलस्वरुप 55 एल.पी.सी.डी. की दर से हर घर नल से जल (एफएचटीसी) उपलब्ध कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में एफ.एच.टी.सी. प्रदान किए जाने हेतु अवशेष 4,44,780 परिवारों मे से समस्त परिवारों को वित्तीय वर्ष 2023–24 में एफएचटीसी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।	1) वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन लागू किये जाने के फलस्वरुप 55 एल.पी.सी.डी. की दर से हर घर नल से जल (एफएचटीसी) उपलब्ध कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में एफ.एच.टी.सी. प्रदान किए जाने हेतु अवशेष 4,44,780 परिवारों मे से समस्त परिवारों को वित्तीय वर्ष 2023–24 में एफएचटीसी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।	1 वर्ष
	राज्य सैक्टर ग्रामीण			1000.00					
	नाबार्ड			3800.00					
	अन्य		17395.03	1053.00					
2	वाहय सहायतित परियोजना	पैरी अरबन क्षेत्रों में नगरीय मानकों के अनुरूप पेयजल व्यवस्था।	2000.00	11806.00	05 जिलो के 15 सेन्सस टाउन के कुल प्रस्तावित 22 योजनाओं के सापेक्ष समस्त योजनाएं स्वीकृत एवं गतिमान। वर्ष 2023–24 तक समस्त कार्य पूर्ण किया जाना लक्षित है। 87757 नग ए0एम0आर0 मीटर युक्त संयोजन का प्राविधान हैं।	05 जनपदो की चालू 22 योजनाओं में से वर्तमान तक 8 योजनाएं पूर्ण तथा 22365 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया गया। तथा मार्च 2023 तक 02 योजनाओं को पूर्ण कर 1398 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना लक्षित।	स्वीकृत 22 योजनाओं के सापेक्ष अवशेष निर्माणाधीन 12 योजनाऐं पूर्ण किया जाना तथा इनके अन्तर्गत कुल 63994 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना।	स्वीकृत 22 योजनाओं के सापेक्ष अवशेष निर्माणाधीन 12 योजनाऐं पूर्ण किया जाना तथा इनके अन्तर्गत कुल 63994 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना।	1 वर्ष
		नगरीय क्षेत्र में मानकों के अनुरूप पेयजल व्यवस्था।	1000.00	1500.00	उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत कुल 100 नगरों में से 22 नगरों को मानकों के अनुरुप पेयजल उपलब्ध हो रहा है। 36 नगरों को 70–134 एल.पी.सी.डी. तथा 42 नगरों को 70 एल.पी.सी.डी. अथवा कम दर से जलापूर्ति उपलब्ध है। प्राथमिकता के आधार पर 38 समस्याग्रस्त नगरों को मानको के अनुरुप (135 एल.पी.सी.डी.) पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु रू0 1258.00 करोड़ का ऋण प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गई।	वाहय सहायतित परियोजना अंतर्गत संशोधित प्रस्ताव रु0 1600.00 करोड़ में 38 नग प्रस्तावित डी0पी0आर0 के सापेक्ष 29 डी0पी0आर0 तैयार कर ली गई है। 38 नगरों में पेयजल व्यवस्था हेतु ऋण प्राप्त करने हेतु JICA के साथ विचार विमर्श एवं अन्य कार्यवाही गतिमान है।	वित्तीय वर्ष 2023–24 में बैंक से ऋण प्रस्ताव हेतु एम0ओ0यू0 किया जाना प्रस्तावित।	वित्तीय वर्ष 2023–24 में बैंक से ऋण प्रस्ताव हेतु एम0ओ0यू0 किया जाना प्रस्तावित।	1 वर्ष

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2022 की वास्तवितक स्थिति (भौतिक)	31.03.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूंजीगत					
		नगरीय जलोत्सारण व्यवस्था।	0.00	12000.00	हरिद्वार, ऋषिकेश एवं उनके समीपवर्ती क्षेत्रों में आंशिक बिछी सीवर लाईन के सापेक्ष पूर्ण सीवर लाईन से आच्छादन एवं हाउसहोल्ड कनेक्शन का प्राविधान के0एफ0डब्ल्यू के अन्तर्गत स्वीकृत है। इसके अन्तर्गत हरिद्वार एवं ऋषिकेश नगरों एवं उनसे जुडे 18 सैटेलाईट टाउन में कुल 437 कि0मी0 सीवर नेटवर्क 12 एस0पी0एस0 तथा 02 एस0टी0पी0 का निर्माण कर कुल 35000 सीवर कनैक्शन देने का लक्ष्य है।	के0एफ0डब्ल्यू0 एवं एस0पी0एम0 जी0 के माध्यम से सलाहकार नियुक्ति कर प्राक्कलन रिव्यू/परीक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। निविदा डाक्यूमेंट तैयार कर पैकज 01 एवं 05 पर के0एफ0डब्ल्यू0 से एन0ओ0सी0 प्राप्त कर ली गई है। शासन स्तर पर पैकेज 01 एवं 05 के परीक्षण की कार्यवाही की जा रही है। शासनादेश के उपरान्त निविदा आमंत्रण की कार्यवाही प्रारम्भ की जाएगी। अन्य 10 पैकेजों के निविदा डॉक्यूमेंट भी तैयार कर लिये गए हैं।	वित्तीय वर्ष 2023–24 में सभी 12 पैकेजों के टैण्डर कर कार्य प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित।	वित्तीय वर्ष 2023–24 में सभी 12 पैकेजों के टैण्डर कर कार्य प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित।	1 वर्ष
3	राज्य सैक्टर नगरीय पेयजल/ जलोत्सारण योजनायें	नगरीय क्षेत्र में जनता को पेयजल एवं जलोत्सारण व्यवस्था करना।	6100.02	9870.01	कुल 100 नगरों में से 22 नगरों में मानको के अनुरुप पेयजल उपलब्ध है तथा 27 नगरों में आंशिक सीवर नेटवर्क उपलब्ध है। 11 नगरों में पेयजल की 20 एवं 05 नगरों में सीवरेज की 20 योजनाएं निर्माणाधीन है।	निर्माणाधीन योजनाओं के सापेक्ष 09 नगरों में 16 पेयजल योजनाओं के कार्य पूर्ण किया एवं 03 नगरों में 12 सीवरेज योजनाएं पूर्ण किया जाना। वित्तीय वर्ष 2022–23 में 01 नगरों की 01 नयी पेयजल योजनाओं एवं 03 नगरों की 06 नयी सीवरेज योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त की गई। 96 पेयजल तथा 27 जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया गया।	02 नगरों में आंशिक पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 04 योजना पूर्ण किया जाना। 04 नगरों में आंशिक जलोत्सारण व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन 08 योजनाएं पूर्ण किया जाना। 96 पेयजल तथा 27 जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया जाना।	02 नगरों में आंशिक पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 04 योजना पूर्ण किया जाना। 04 नगरों में आंशिक जलोत्सारण व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन 08 योजनाएं पूर्ण किया जाना। 96 पेयजल तथा 27 जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया जाना।	1 वर्ष
4	नमामि गंगे	नदियों को प्रदूषण मुक्त करना।	0	0	नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा नदी की मुख्य धारा पर स्थित नगरों हेतु रू0 1448.49 करोड की स्वीकृत 28 नग योजनाओं के सापेक्ष 20 नग योजनाओं के कार्य पूर्ण किये गये जिसके अन्तर्गत प्रस्तावित 53 नग (क्षमता 1987.09 एम0एल0डी0) के सापेक्ष 34 नग (क्षमता 137.67 एम0एल0डी0) के नये सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट के निर्माण कार्य, 131 नग नालों के सापेक्ष 131 नालों की	देहरादून की रिस्पना एवं बिन्दाल नदी आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 योजना के अन्तर्गत 200 नग नालियों के टैपिंग के कार्य, 22.50 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने के कार्य पूर्ण, साथ ही योजना के कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण किया गया। वर्तमान में भौतिक कार्य पूर्ण कर परियोजना का ट्रायल रन गतिमान है।	हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर एवं देवप्रयाग में सेप्टेज के वर्तमान एस0टी0पी0 पर को–ट्रीटमेंट हेतु रु0 8.60 करोड़, आई. एण्ड डी. एवं एस. टी.पी. कार्य मुनि–की–रेती, ढालवाला, नीलकण्ठ महादेव एवं जोंक–स्वर्गाश्रम हेतु रु0 94.06 करोड, आई. एण्ड डी. एवं एस.टी.पी. तिलवाड़ा जनपद रूद्रप्रयाग हेतु रु0 23.37 करोड़, आई.एण्ड डी. एवं एस.	हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर एवं देवप्रयाग में सेप्टेज के वर्तमान एस0टी0पी0 पर को–ट्रीटमेंट हेतु रु0 8.60 करोड़, आई. एण्ड डी. एवं एस.टी.पी. कार्य मुनि–की–रेती, ढालवाला, नीलकण्ठ महादेव एवं जोंक–स्वर्गाश्रम हेतु रु0 94.06 करोड, आई. एण्ड डी. एवं एस. टी.पी. तिलवाड़ा जनपद	02 वर्ष

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2022 की वास्तवितक स्थिति (भौतिक)	31.03.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूंजीगत					
	नमामि गंगे				टैपिंग के कार्य तथा पूर्व से स्थापित 57 एम0एल0डी0 क्षमता के 06 नग सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट के उच्चीकरण का कार्य पूर्ण किये जा चुके थे तथा 03 नग अवशेष योजनाएं क्रमशः ऋषिकेश आई0एण्ड0डी0 विद एस0टी0पी0, ऋषिकेश सेप्टेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा एस0टी0पी0 योजनाएं निर्माणाधीन थी। साथ ही देहरादून नगर योजना के अन्तर्गत आई0 एण्ड डी0 कार्य 177 नग नालियों में से 123 नग नालियों को टैपिंग के कार्य तथा 22.50 कि0मी0 सीवर लाईन के सापेक्ष 4.60 कि0मी0 के पूर्ण किये गये थे तथा योजना की भौतिक प्रगति 35 प्रतिशत पूर्ण कर लिये गये थे।		टी. पी. कार्य सपेरा बस्ती देहरादून हेतु रु0 78.99 करोड़ की भारत सरकार से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।	रूद्रप्रयाग हेतु रु0 23.37 करोड़, आई.एण्ड डी. एवं एस.टी.पी. कार्य सपेरा बस्ती देहरादून हेतु रु0 78.99 करोड़ की भारत सरकार से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।	
		नदियो का प्रदूषण मुक्त करना (चयनित 9 नदियों स्ट्रैचैज)	2400.00	0.02	09 रिवर स्ट्रैच को प्रदूषण मुक्त करने हेतु चयनित 07 (किच्छा, ढेला, वहेला, नन्दोर, पिलाखर, कोसी, कल्याणी नदियों) रिवर स्ट्रैचों मे, आई0एण्ड0डी0 एवं एस0टी0पी0 निर्माण एवं तुरन्त राहत हेतु बायोरेमिडीशन की रु0 228.00 करोड़ की डी0पी0आर0 की निविदा आमंत्रित कर कार्य प्रारम्भ।	किच्छा, ढेला, वहेला, नन्दोर, पिलाखर, कोसी, कल्याणी नदियों के 07 रिबर स्टैचैज को प्रदूषण मुक्त करने हेतु आई0एण्ड डी0, एस0टी0पी0 की डी0पी0आर0 नमामि गंगे, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गयी जिसकी निविदा कार्यवाही पूर्ण कर सभी 07 रिवर स्ट्रैच में 09 एस0टी0पी0 के निर्माण कार्य प्रारम्भ तथा 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण।	योजना के 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य।	योजना के 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य।	1 वर्ष
5	स्वच्छ भारत मिशन	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त शौचालयविहीन परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित करना।	747.00	9796.75	ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित (99.99 %)	क्रमिक 1580723 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित होंगे। (100 %)	34990 व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण किया जाने का लक्ष्य है।	वर्ष में 34990 परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से लाभान्वित होंगे तथा खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति का स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सकेगा।	1 वर्ष

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2022 की वास्तवितक स्थिति (भौतिक)	31.03.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूंजीगत					
	स्वच्छ भारत मिशन				100% आधारभूत सर्वेक्षण –2012 के अनुसार समस्त ग्रामीण परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित किया गया तथा सम्बन्धित जिलाधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किए गये।	100%	100%	100%	1 वर्ष
		ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यो को वृहद स्तर पर किया जाना।			क्रमिक 445300 परिवार ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों से लाभान्वित हुयी थी।	क्रमिक 658100 परिवार लाभान्वित (42.13 प्रतिशत) होंगे।	4775 ग्रामों का लक्ष्य रखा गया है ।	वर्ष में 477500 परिवार लाभान्वित होंगे। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यों से दीर्घकालिक स्थायित्व प्राप्त होगा।	1 वर्ष
		ग्रामीण सार्वजनिक स्थलों पर सामुदायिक स्वच्छता काम्पलेक्सों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों तथा फ्लोटिगं जनसंख्या को लाभान्वित करना।			क्रमिक 1899 सामुदायिक स्वच्छता काम्प्लेक्स निर्मित (189900 ग्रामीण परिवार लाभान्वित)	क्रमिक 2257 सामुदायिक स्वच्छता काम्प्लेक्स निर्मित होंगे।	1574 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है।	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ Floating Population भी लाभान्वित हो सकेगी।	1 वर्ष

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2022 की वास्तवितक स्थिति (भौतिक)	31.03.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूंजीगत					
6	विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान	विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान।	31500.00		1- 01.04.2022 को विद्युत देयकों का भुगतान अवशेष रू. 5212.72 लाख है। 2- 1.04.2022 को ग्रेज्यूटी मद में रू. 1288.00 लाख की देनदारियां शेष है।	1. वित्तीय वर्ष 2022–23 में स्वीकृत कुल बजट 28000.00 लाख के सापेक्ष वर्तमान तक गत अवशेषों सहित कुल रू. 17564.19 लाख विद्युत देयकों का भुगतान किया गया। 2. वित्तीय वर्ष 2022–23 अुमानित कुल 2601.92 लाख का भुगतान किया जाना है। जिसमें से रू. 500.00 लाख ग्रेज्यूटी का भुगतान शासन अनुदान एवं शेष स्वजनित आय से किया जाना है।	1. अवशेषों सहित वित्तीय वर्ष 2023–24 में अनुमानित रू. 36000.00 लाख विद्युत देयकों का भुगतान किया जाना है। 2. वित्तीय वर्ष 2023–24 में 151 कार्मिक सेवानिवृत्त होंगे। जिनके अनुसार धनराशि रू. 1247.81 लाख की देनदारी होती है। जबकि नियमित पेंशन में वार्षिक व्यय लगभग रू. 6700.00 लाख सम्भावित है। इस प्रकार कुल देनदारियां रू. 7947.81 लाख है। जिसके सापेक्ष ग्रेज्यूटी का भुगतान रू. 2500.00 लाख शासन अनुदान से एवं शेष स्वजनित आय से किया जाना है।	1. अवशेषों सहित वित्तीय वर्ष 2023–24 में अनुमानित रू. 36000.00 लाख विद्युत देयकों का भुगतान किया जाना है। 2. वित्तीय वर्ष 2023–24 में 151 कार्मिक सेवानिवृत्त होंगे। जिनके अनुसार धनराशि रू. 1247..81 लाख की देनदारी होती है। जबकि नियमित पेंशन में वार्षिक व्यय लगभग रू. 6700.00 लाख सम्भावित है। इस प्रकार कुल देनदारियां रू. 7947.81 लाख है। जिसके सापेक्ष ग्रेज्यूटी का भुगतान रू. 2500.00 लाख शासन अनुदान से एवं शेष स्वजनित आय से किया जाना है।	1 वर्ष
	योग		**62142.06**	**66145.81**					